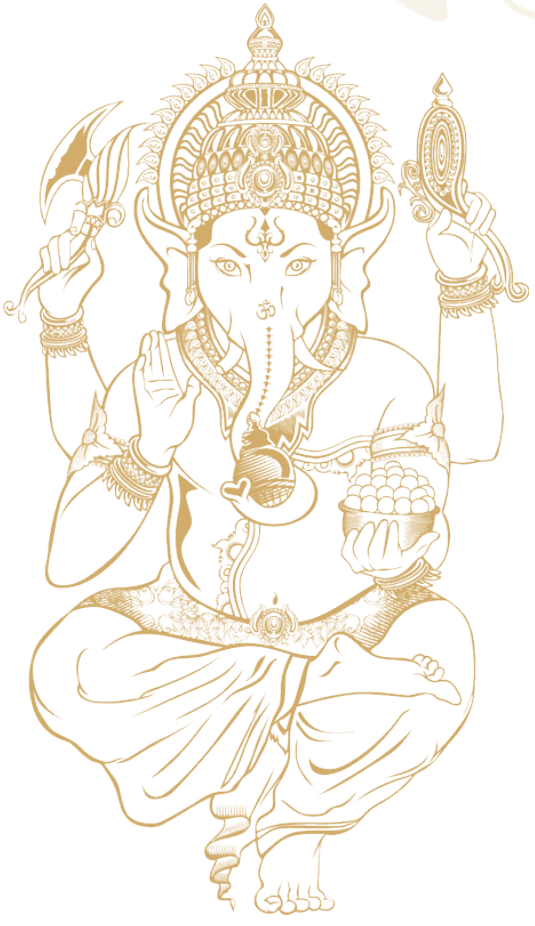

Mr.yashvant

Ms. manashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120712603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/01/1997	जन्म तिथि	15-16/06/1997
मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 13:10:00	जन्म समय	03:20:00 घंटे
घटी 14:42:08	जन्म समय(घटी)	54:28:26 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Ajmer
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:08	सूर्योदय	05:38:11
17:48:15	सूर्यास्त	19:25:25
23:48:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 1मा 29दि		13:31:09	मेष	लग्न	मेष	23:50:06	मंगल 2वर्ष 11मा 21दि	
शुक्र		23:14:04	धनु	सूर्य	मिथु	00:59:26	गुरु	
09/03/2007		27:31:03	वृश्चि	चंद्र	तुला	00:59:55	07/06/2018	
09/03/2027		07:23:49	कन्या	मंगल	कन्या	04:42:42	07/06/2034	
शुक्र	08/07/2010	11:34:04	धनु व	बुध	वृष	19:16:31	गुरु	25/07/2020
सूर्य	09/07/2011	02:49:21	मक	गुरु व	मक	28:03:51	शनि	06/02/2023
चन्द्र	08/03/2013	02:32:22	धनु	शुक्र	मिथु	20:30:41	बुध	13/05/2025
मंगल	09/05/2014	07:52:07	मीन	शनि	मीन	24:44:19	केतु	19/04/2026
राहु	08/05/2017	08:10:55	कन्या व	राहु व	कन्या	00:32:58	शुक्र	18/12/2028
गुरु	07/01/2020	08:10:55	मीन व	केतु व	मीन	00:32:58	सूर्य	07/10/2029
शनि	09/03/2023	09:48:29	मक	हर्ष व	मक	14:24:29	चन्द्र	06/02/2031
बुध	07/01/2026	03:14:51	मक	नेप व	मक	05:37:52	मंगल	12/01/2032
केतु	09/03/2027	10:46:33	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:50:13	राहु	07/06/2034

लग्न-चलित

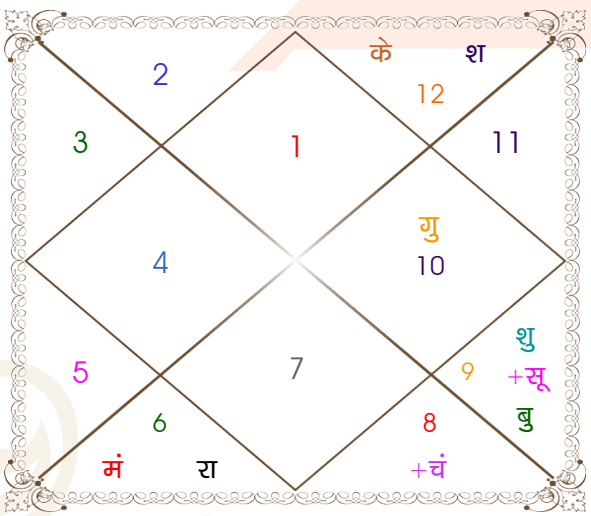

लग्न-चलित

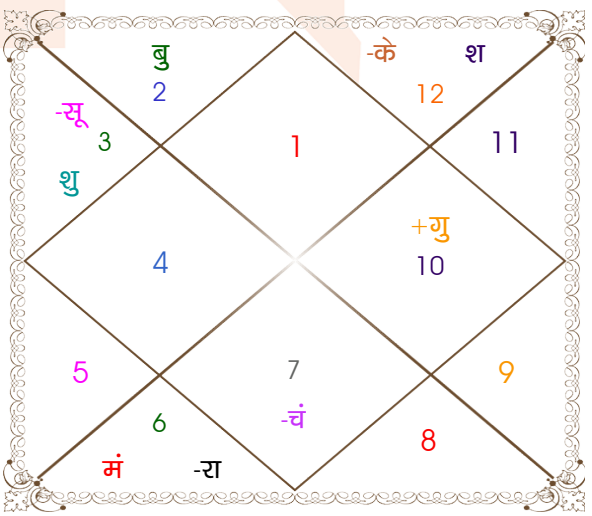

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्लीअंदज का वर्ग मृग है तथा डेण् उंदीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लीअंदज और डेण् उंदीप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्लीअंदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण् उंदीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डतण्लीअंदज तथा डेण् उंदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।